दिनांक 31–01–2017 को अग्रवाल महाविद्यालय के सभागार में हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वावधान में अन्तर्महाविद्यालय कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. जिसमें अनेक महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा रू

प्रथम स्थान शिखा भारद्वाज (के.एल.मेहता दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद),द्वितीय स्थान दिव्या (अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़),तृतीय स्थान शिवानी (राजकीय महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद) तथा प्रोत्साहन पुरस्कार आरजू (सरस्वती महिला महाविद्यालय,पलवल) को मिला तथा चल बैजयन्ती पुरस्कार के.एल.मेहता दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद को दिया गया.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त जी रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग अध्यक्ष श्रीमति किरण आनन्द जी ने की. मुख्य अतिथि महोदय ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि साहित्य समाज और राष्ट्र का अभिन्न संबन्ध है जिस राष्ट्र का साहित्य जितना सम्पन्न होगा वह राष्ट्र इतना ही सशक्त होगा. जहाँ वीर सैनिक समाज और राष्ट्र के बाह्य ढ़ाचे की सुरक्षा करता है साहित्यकार अपनी कलम से समाज और राष्ट्र के आंतरिक ढ़ाँचे को सुरक्षित रखता है. उन्होंने कहा जिस समाज का सहित्य जितना प्राणवान होगा उतने ही उस समाज के लोग प्राणवान और चेतनामय होंगे. आज की पीढ़ी इंटरनेट, व्हॉटसप, और फेसबुक के अधिक प्रयोग के चलते अच्छे साहित्य से दूर होते जा रहे है. इस प्रकार के आयोजन आज के विद्यार्थियों की रचना धर्मिता और मौलिक उद्भावनाओं को अंकुरित करने के लिए अच्छी पहल है. ऐसी साहित्यिक प्रतियोगिताएँ युवाओं में रचनात्मक क्रियाशीलता मौलिक उद्भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सुन्दर मार्ग प्रशस्त करती है.

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक निराला जी रहे, मंच संचालन डॉ. बांके बिहारी जी ने किया. इस अवसर पर से डॉ. रामचन्द, डॉ. रेनू महेश्वरी, डॉ. रमन, प्रवक्ता पूजा त्यागी और कमलेश कुमारी उपस्थित थे.